तृतीय अध्याय

शोध प्रविधि

Regional Institute of Education
LIBRARY
Bhopal

अध्याय – तृतीय

शोध प्रविधि

3.1 भूमिका :–

अनुसंधान कार्य के सही दिशा की और अग्रसर होने के उद्देश्य से यह आवश्यक होता है कि, शोध प्रबंध की व्यवस्थित रूप रेखा तैयार की जाये, क्योंकि यह रूपरेखांक ही शोध को एक निश्चित दिशा प्रदान करती है। इसमें प्रतिदर्श के चयन की अपनी विशेष भूमिका होती है। इसके बाद उपकरणों एवं तकनीकि का चयन भी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि इसी आधार पर प्रदत्तों का संकलन किया जाता है। तत्पश्चात एक उपयुक्त सांख्यिकी विधि के माध्यम से प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या कर निष्कर्ष निकाला जाता है। तब कहीं जाकर एक शोध रूपी भवन खड़ा हो पाता है। प्रस्तुत लघुशोध प्रबंध के इस अध्याय में प्रदत्तों का संकलन एवं प्रस्तुतीकरण निम्न प्रकार से किया गया है।–

3.2 शोध डिजाइन :–

प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य प्रारंभिक विद्यालयों के शिक्षकों में जनतन्त्रात्मक मूल्य परीक्षण का अध्ययन प्रणाली करना है। अतः इस कार्य हेतु शिक्षकों में जनतंत्रात्मक मूल्य का अध्ययन करने के लिए किया गया है।

3.3 न्यादर्शः–

प्रस्तुत शोध में शोधकर्ताक द्वारा न्यादर्श का चयन या यादुच्छिक विधि से किया गया है। इसके लिए महाराष्ट्र के अमरावती शहर के 100 शिक्षकों को लिया है।

जो सरकारी, प्राईवेट, मदरसा, मिशनरी, ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालयों में कार्यरत हैं न्यादर्श के रूप में लिया गया है, जिसका विवरण निम्न सारणी में दिया गया हैः–

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

3.2 शोध डिजाईन :-

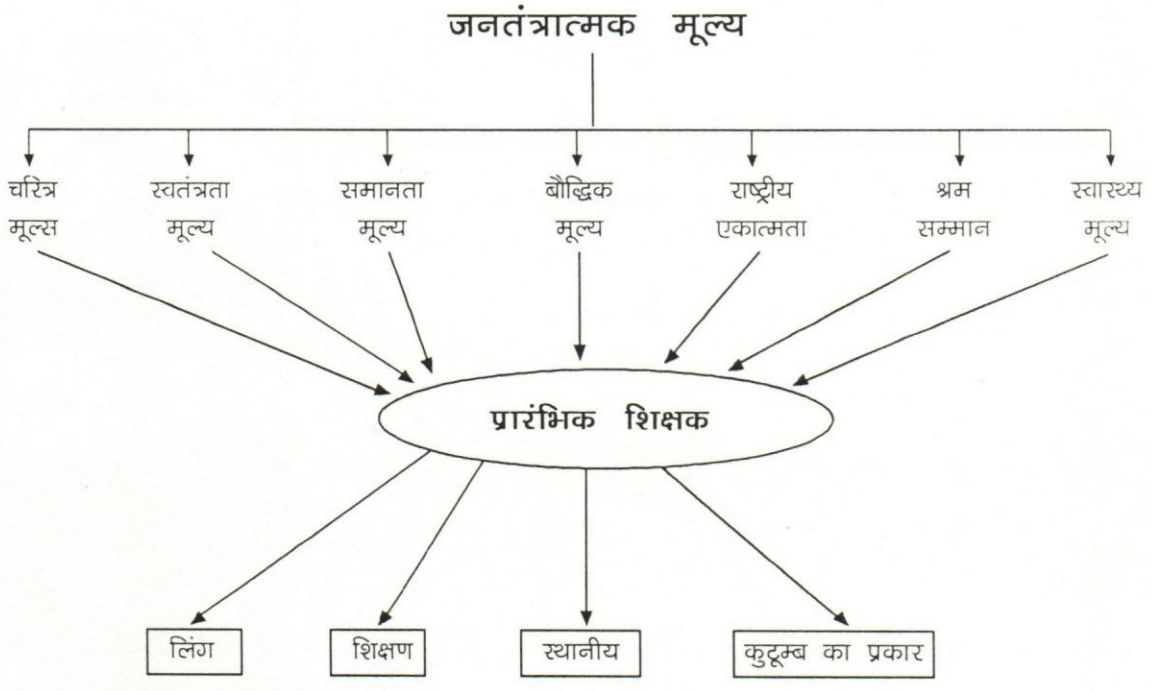

Regional Institute of Education
LIBRARY
Bhopal

क्र.	सरकारी	प्राईवेट	मदरसा	मिशनरी	ग्रामीण विद्या.	कुल योग
पुरूष	7	15	8	11	15	56
स्त्री	13	6	7	9	9	44
योग	20	21	15	20	24	100

3.4 उपकरण का विवरण :-

शोध कार्य को करते समय वैज्ञानिक विधि से नवीन प्रदत्तों को संकलित करने हेतु कुछ मानवीकृत उपकरणों की आवश्यकता पड़ती है। सफल अनुसंधान के लिए जनतन्त्रात्मक मूल्य परीक्षण परिसूची उपकरण का उपयोग किया है।

जनतंत्रात्मक मूल्य परिसूची :

जनतंत्रात्मक मूल्य परीक्षण परिसूची डॉ. एस.पी. कुलश्रेष्ठ द्वारा (1971) निर्मित किया गया है। यह परिसूची सात मूल्यों (चरित्र, स्वतंत्रता, समानता, बौद्धिक, राष्ट्रीय एकात्मता, श्रम सम्मान, स्वास्थ्य) पर आधारित है। इन सात मूल्यों का विवरण निम्नलिखित हैः-

1. **चरित्र मूल्य :-**

   इसमें प्रेम, सौंदर्य, ईमानदारी, सत्यता, मानवता, जिम्मेंदारी, सहयोग और सभी अच्छे गुण आते हैं।

2. **स्वतंत्रता मूल्य :-**

   इसमें विचारों की स्वतंत्रता तथा विचारों को लिखकर, पढ़कर, बोलकर व्यक्त करने की स्वतंत्रता से पहचाना जाता है।

3. **समानता मूल्य :-**

   इस मूल्य में व्यक्ति की जाति, धर्म मत, कुटुम्ब के और उसके स्तर को ध्यान में न लेते उन सबके विकास और प्रगति के लिए समान हक़ प्रदान करना है।

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

4. बौद्धिक मूल्य :-

विचार और ज्ञान में वृद्धि करना। सिद्धांतों, तर्क शक्ति, निर्णय शक्ति इन सब का विकास करना।

5. राष्ट्रीय एकात्मता मूल्य :-

इस में ये अपने प्रति बच्चों के प्रति कुटुम्ब के प्रति, पड़ोसियों के प्रति, मित्रों के प्रति और अपने देश के प्रति अपने प्रेम को प्रगट करता है। यह हमारे राष्ट्र के प्रति बलिदान और देश की उन्नति के लिए निष्ठा की भावना जगाता है।

6. श्रम सम्मान मूल्य :-

उस के प्रति सम्मान कोई कार्य छोटा नहीं कोई खराब नहीं हैं और सब कार्य समान है।

7. स्वास्थ्य मूल्य :-

इसमें सुस्वास्थ को बनाये रखने और अपने स्वास्थ्य की रखरखाव करना यह धनात्मक मूल्य है।

इस इन्वेन्टरी में 47 प्रश्न हैं जिसमें प्रत्येक प्रश्न के तीन सम्भावित उत्तर उनके सामने दिए गए है। इसमें प्रत्येक प्रश्न में केवल एक सर्वाधिक पसन्द विवरण पर सही (√) का निशान तथा केवल एक उत्तर के लिए गुणान (×) का चिन्ह लगाना है, जो सबसे कम पसन्द हो। तीसरा उत्तर खाली छोड़ा देना है। और (एक उत्तर एक मूल्य को प्रदर्शित करता है।)

3.5 निर्देशात्मक सलाह :-

1. जनतंत्रात्मक मूल्य परिक्षण परिसूची स्वयं प्रशासनिक है। यह सूची व्यक्तिगत एवं समूह में प्रशासनिक की जा सकती है। इसमें शिक्षक स्वयं निर्देश पढ़ने के बाद उत्तर दे सकते हैं।

निर्देश निम्नलिखित है।

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

(अ) प्रश्नों के उत्तर, उत्तर पत्र में ही देना है। प्रश्न पत्र में दिए गए प्रश्नों के उत्तर प्राथमिक के अनुसार क्रमबद्ध करना है। जनतंत्रात्मक मूल्य सूची (प्रश्नपत्र) में उत्तरदाता द्वारा किसी प्रकार का निशान नहीं लगाना है।

(ब) प्रत्येक प्रश्न में केवल एक सर्वाधिक पसन्द विवरण पर सही (√) का निशान तथा केवल उक उत्तर के लिए गुणान (×) का चिन्ह लगाना है। जो सबसे कम पसन्द हो। तीसरा उत्तर खाली छोड़ देना है। केवल अंतिम प्रश्न नं. 47 में तीन के स्थान पर दो उत्तर लिखे हुए हैं। जिससे आप अधिक सहमत है। उस उत्तर के लिए सही (√) तथा जिससे कम सहमत हैं उस उत्तर के लिए गुणान (×) का चिन्ह लगाना है।

2. इस सूची को हल करने के लिए कोई समय सीमा नहीं दी गई है।

3. सभी प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है।

4. कोई भी उत्तर सही अथवा गलत नहीं है।

3.6 विश्वसनीयता :– (Reliability Coefficients of the Democratic Values)

(जनतंत्रतात्मक मूल्य परीक्षण सूची का विश्वनीय सहगुणांक)

	Values	Coefficinent of Correlation
1.	चरित्र मूल्य	.82
2.	स्वतंत्रता मूल्य	.87
3.	समानता मूल्य	.91
4.	बौद्धिक मूल्य	.89
5.	राष्ट्रीय एकात्मता मूल्य	.85
6.	श्रम सम्मान मूल्य	.90
7.	स्वास्थ्य मूल्य	.79

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

3.7 विश्वसनीयता :– वैधता (Validity)

इस परिसूची के सात मूल्यों की वैधता निम्न प्रकार की है।

	Values	Coefficinent of Correlation
1.	चरित्र मूल्य	.89
2.	स्वतंत्रता मूल्य	.81
3.	समानता मूल्य	.85
4.	बौद्धिक मूल्य	.78
5.	राष्ट्रीय एकात्मता मूल्य	.78
6.	श्रम सम्मान मूल्य	.82
7.	स्वास्थ्य मूल्य	.83

3.8 स्कोरिंग के निर्देश :–

1. इस परिसूची के स्कोरिंग करने के लिए सात Scoring Keys का उपयोग किया जाता हे। एक Scoring Key एक मूल्य को मापने के लिए है।

सबसे पहले हर एक Scoring Key को उत्तर शीट पर व्यवस्थित रूप से रखेंगे और Scoring करेंगे। एक ही उत्तर शीट पर सात बार अलग–अलग Values की Scoring Key रखेंगें और उसमें सही (√) कतनी हैं। और गलत (×) कितनी हैं। यह गिनेंगे और हर Values के सामने लिखेंगे। और सही में से गलत को ऋणात्मक (–) करेंगे और जो भी उत्तर आता है वह हर एक Values के सामने लिखेंगे। शेष सभी Key के लिए मूल्य समान प्रक्रिया लागू की जायेगी।

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

3.9 प्रदत्तों का संकलन :–

अध्ययन के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए प्रदत्तों को संकलन किया गया है। उस कार्य के लिए महाविद्यालय द्वारा एक निश्चित समय सीमा

निर्धारित की गई है।

प्रदत्त संकलन के लिए संस्थानों के प्राचार्य को अनुमति पत्र देने के बाद प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों के संबंधित अध्ययन से आवश्यक निर्देश दिए गए हैं और शिक्षक मूल्य सूची को समझाया गया जिसमें जानकारी शिक्षकों के लिए थी।

3.10 सांख्यिकीय विधियां :-

इस संशोधन कार्य में अध्ययनकर्ता ने प्रदत्तों का विश्लेंषण एवं व्याख्या करने के लिए मध्यमान, प्रामाणिक विचालन, टी टेस्ट का उपयोग किया है।